SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

लोकतांत्रिक राजनीति - 2

अध्याय - 4

# राजनीतिक दल

# Political Parties

भाग - 2

प्रीतेश जोशी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

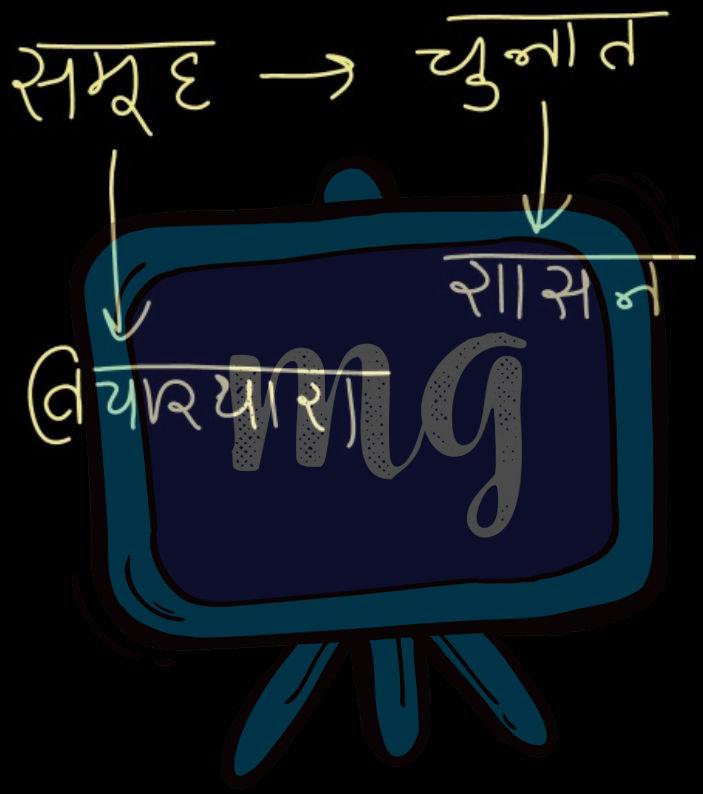


1) नेता
2) सदस्य
3) समर्थक

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



## राजनीतिक दल की आवश्यकता क्यों

- आधुनिक लोकतंत्र राजनीतिक दलों के बिना क्यों नहीं चल सकता?
- राजनीतिक दल (Political Party) लोकतंत्र की आधारशिला हैं।
- ये उत्तरदायी शासन के परमावश्यक अंग हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER




- राजनीतिक दलों के बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं हो सकती।
- जहाँ राजनीतिक दलों को काम करने की स्वतंत्रता नहीं होती तथा जहाँ एक ही राजनीतिक दल होता है, वहाँ स्वतंत्रता का अभाव होता है।
- इसीलिए, राजनीतिक दलों को लोकतंत्र का प्राण कहा गया है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- प्रतिनिधिक प्रजातंत्र की सफलता राजनीतिक दलों पर ही निर्भर होती है।
- राजनीतिक दल प्रतिनिधियों के निर्वाचन में भाग लेते हैं।
- राजनीतिक दल मतदाताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

वस्तुतः, यदि राजनीतिक दल संगठित न हों तो प्रतिनिधिक सरकार का चलना कठिन होगा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- संक्षेप में, राजनीतिक दल ही लोकतंत्र को व्यावहारिक रूप देते हैं।
- लॉर्ड ब्राइस का कथन है, दल अनिवार्य हैं। कोई भी बड़ा स्वतंत्र देश उनके बिना नहीं रह सकता है।
- राजनीतिक दल लोकतंत्र में शिक्षा के साधन हैं।

ये जनता को सार्वजनिक प्रश्नों एवं समस्याओं के प्रति जागरूक रहने की शिक्षा देते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- ये जनमत का निर्माण करते हैं।

निर्वाचन के समय ये नागरिकों को राजनीतिक साहित्य प्रदान करते हैं, उनमें शासन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते है और उनको राजनीतिक कर्तव्यों का बोध कराते हैं।

- भारत में भी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है। अतः यहाँ राजनीतिक दलों की महत्ता बहुत अधिक है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER




- राजनीतिक दल की अनुपस्थिति में सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।
- इन उम्मीदवारों में से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में लोगों से चुनावी वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा।
- सरकार का निर्माण भी हो जायेगा पर उसकी उपयोगिता और भूमिका संदिग्ध होगी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- निर्वाचित प्रतिनिधि सिर्फ़ अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कामों के लिए जवाबदेह होंगे।

  लेकिन, देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

- हम गैर-दलीय आधार पर होने वाले पंचायत चुनावों का उदाहरण सामने रखकर भी इस बात की परख कर सकते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

हालाँकि इन चुनावों में दल औपचारिक रूप से अपने उम्मीदवार नहीं खड़े करते लेकिन हम पाते हैं कि चुनाव के अवसर पर पूरा गाँव कई खेमों में बँट जाता है और हर खेमा सभी पदों के लिए अपने उम्मीदवारों का 'पैनल' चुनाव में उतारता है।

राजनीतिक दल भी इसी प्रकार काम करते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

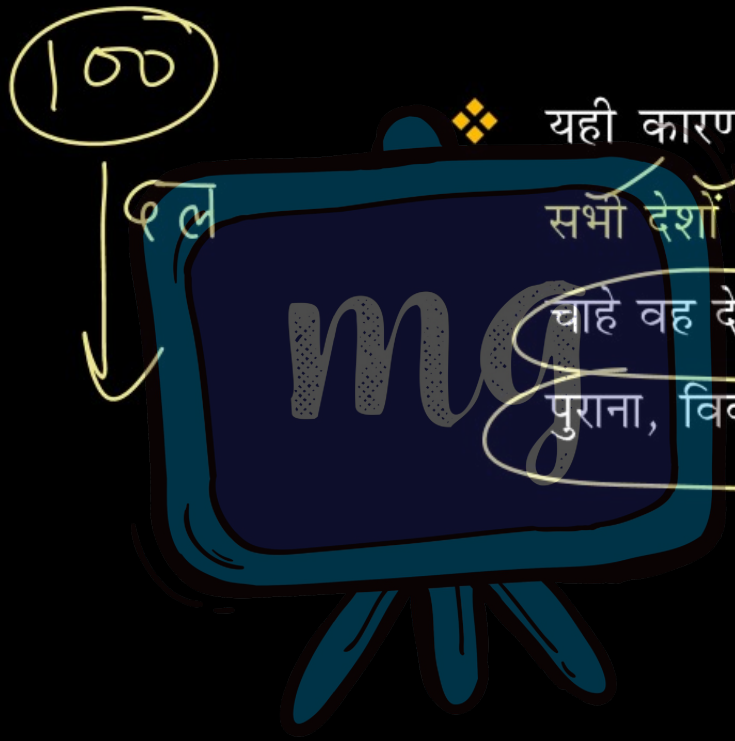

- यही कारण है कि हमें दुनिया के लगभग सभी देशों में राजनीतिक दल नज़र आते हैं चाहे वह देश बड़ा हो या छोटा, नया हो या पुराना, विकसित हो या विकासशील।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

❖ राजनीतिक दलों का उदय :- राजनीतिक दलों का उदय प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के विकास के साथ जुड़ा हुआ है।

हम जानते हैं कि बड़े समाजों के लिए प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की ज़रूरत होती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचारों को प्रस्तुत करने और सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की ज़रूरत होती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- विभिन्न स्थानों से आए प्रतिनिधियों को एक साथ करने की ज़रूरत होती है ताकि एक ज़िम्मेवार सरकार का गठन हो सके। उन्हें सरकार का समर्थन करने या उस पर अंकुश रखने, नीतियाँ बनवाने और नीतियों का समर्थन अथवा विरोध करने के लिए उपकरणों की ज़रूरत होती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- प्रत्येक प्रतिनिधि-सरकार की ऐसी जो भी ज़रूरतें होती हैं, राजनीतिक दल उनको पूरा करते हैं।
- इस तरह हम कह सकते हैं कि राजनीतिक दल लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

750

## राजनीतिक दलों की संख्या

- लोकतंत्र में नागरिकों का कोई भी समूह राजनीतिक दल बना सकता है।
- इस औपचारिक अर्थ में सभी देशों में बहुत से राजनीतिक दल हैं।
- भारत में ही चुनाव आयोग में नाम पंजीकृत कराने वाले दलों की संख्या 750 से ज़्यादा है।
- लेकिन, इनमें से प्रत्येक दल चुनाव में गंभीर चुनौती देने की स्थिति में नहीं होता।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- उम्मीदवार खड़े करना, प्रचार प्रसार करने चुनाव जीतने और सरकार बनाने की होड़ में आमतौर पर कुछ प्रमुख पार्टियाँ ही सक्रिय होती हैं।
- अतः प्रश्न यह उठता है कि लोकतंत्र की बेहतरी के लिए कितने दलों का होना उचित माना जा सकता है?

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

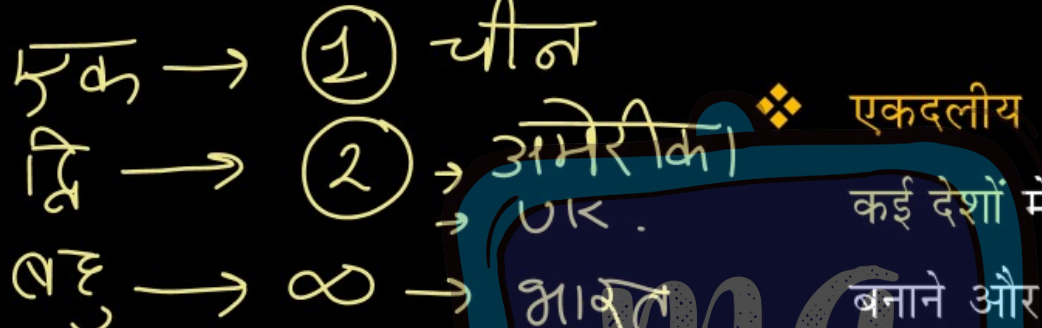


❖ एकदलीय शासन-व्यवस्था :- विश्व के कई देशों में सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति प्राप्त है। इस कारण उन्हें एकदलीय शासन-व्यवस्था कहा जाता है।

❖ विश्व में चीन इसी प्रकार की एक दलीय शासन व्यवस्था का उदाहरण है। यहां सिर्फ़ कम्युनिस्ट पार्टी को शासन करने की अनुमति है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- हालाँकि कानूनी रूप से वहाँ भी लोगों को राजनीतिक दल बनाने की आज़ादी है पर वहाँ की चुनाव प्रणाली सत्ता के लिए स्वतंत्र प्रतिद्वंद्विता की अनुमति नही देती इसलिए लोगों को नया राजनीतिक दल बनाने का कोई लाभ नहीं दिखता और इसलिए कोई नया दल नहीं बन पाता।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

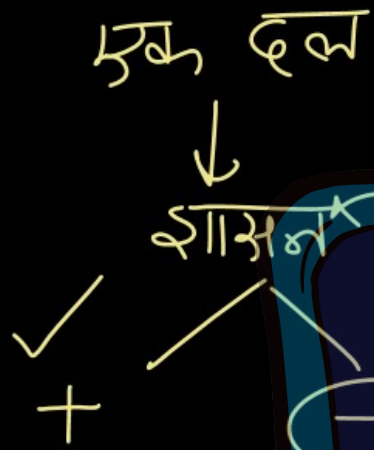


- सामान्यतः एकदलीय व्यवस्था को अच्छा विकल्प नहीं माना जाता क्योंकि यह लोकतांत्रिक विकल्प नही है।
- किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कम से कम दो दलों को राजनीतिक सत्ता के लिए चुनाव में प्रतिद्वंद्विता करने की अनुमति तो होनी ही चाहिए।
- साथ ही उन्हें सत्ता में आ सकने का पर्याप्त अवसर भी रहना चाहिए।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

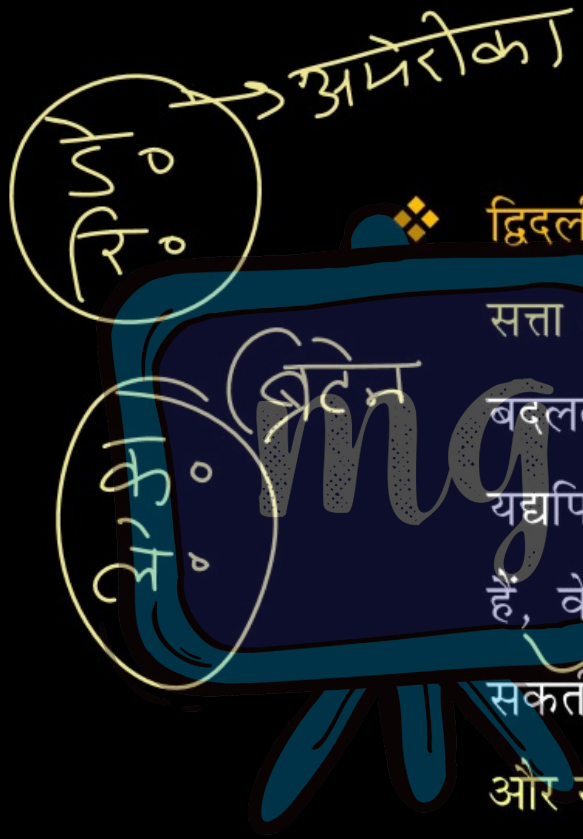


- **द्विदलीय व्यवस्था :-** विश्व के कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। यद्यपि वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ हो सकती हैं, वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीत सकती हैं पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार होते हैं।
- अमरीका और ब्रिटेन में ऐसी ही दो दलीय व्यवस्था है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- बहुदलीय व्यवस्था :- जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हों और दो दलों से अधिक दलों के पास अपने दम पर या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।
- भारत में भी ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

# भारत

## बहुदलीय

3 ∞

↓

a + b + c

## गठबंधन

❖ इस व्यवस्था में कई दल गठबंधन बनाकर भी सरकार बना सकते हैं।

❖ गठबंधन या मोर्चा :- जब किसी बहुदलीय व्यवस्था में अनेक पार्टियाँ चुनाव लड़ने और सत्ता में आने के लिए आपस में हाथ मिला लेती हैं तो इसे गठबंधन या मोर्चा कहा जाता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST




- जैसे, 2004 के संसदीय चुनाव में भारत में ऐसे तीन प्रमुख गठबंधन थे : राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन और वाम मोर्चा।
- अक्सर बहुदलीय व्यवस्था बहुत घालमेल वाली लगती है और देश को राजनीतिक अस्थिरता की तरफ ले जाती है पर इसके साथ ही इस प्रणाली में विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- प्रश्न यह है कि इनमें से कौन सी प्रणाली उत्तम मानी जा सकती है? इस सवाल का संभवत: सबसे अच्छा जवाब यही होगा कि यह कोई बहुत अच्छा सवाल नहीं है। दलीय व्यवस्था का चुनाव करना किसी देश के हाथ में नहीं होता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- यह एक लंबे दौर के कामकाज के बाद खुद विकसित होती है और इसमें समाज की प्रवृत्ति, इसके राजनीतिक विभाजन, राजनीति का इतिहास और इसकी चुनाव प्रणाली – सभी चीज़ें अपनी भूमिका निभाती हैं।

और इसे बहुत जल्दी बदला भी नहीं जा सकता।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- हर देश अपनी विशेष परिस्थितियों के अनुरूप दलीय व्यवस्था विकसित करता है।
  जैसे, अगर भारत में बहुदलीय व्यवस्था है तो उसका कारण यह है कि दो-तीन पार्टियाँ इतने बड़े मुल्क की सारी सामाजिक और भौगोलिक विविधताओं को समेट पाने में अक्षम हैं।
- हर मुल्क और हर स्थिति में कोई एक ही आदर्श प्रणाली चले यह संभव नहीं है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

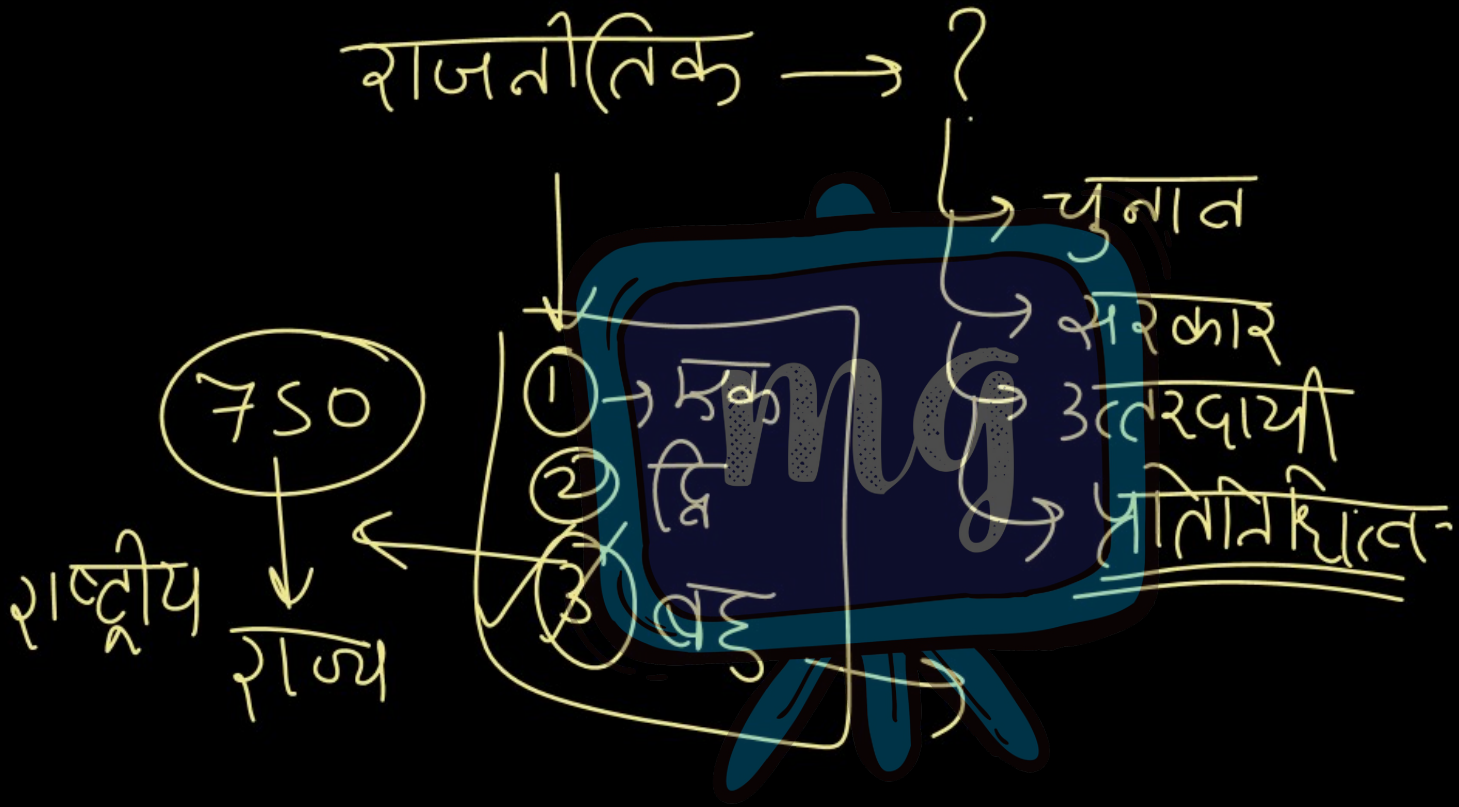

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

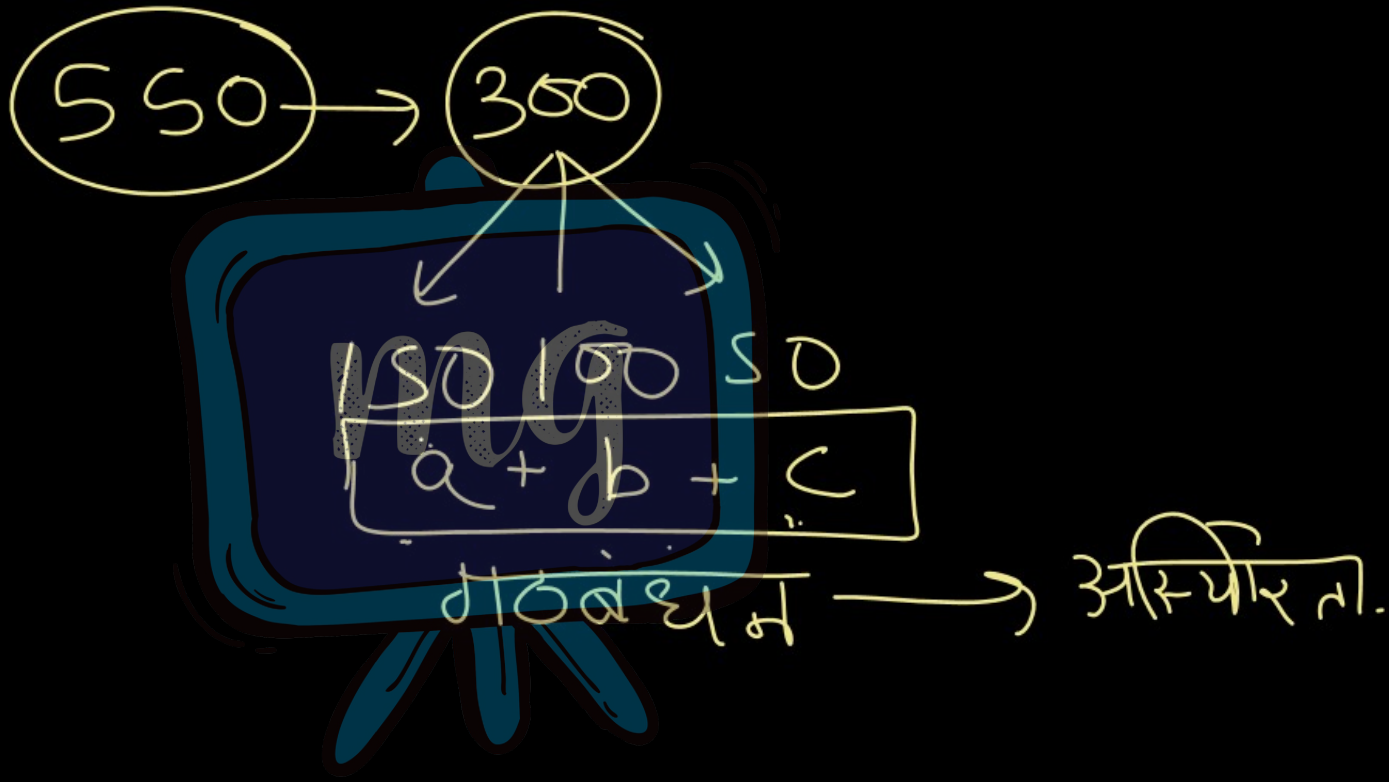

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

## राजनीतिक दलों में जन-भागीदारी

- यह माना जाता है कि राजनीतिक दल संकट से गुज़र रहे हैं क्योंकि जनता उन्हें सम्मान की नज़र से नहीं देखती।
- उपलब्ध प्रमाण भी इसी बात के पक्ष में तर्क देते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- बड़े नमूनों पर आधारित और कई दशकों तक चले सर्वेक्षण के तथ्य बताते हैं कि : दक्षिण एशिया की जनता राजनीतिक दलों पर बहुत भरोसा नहीं करती।
- बहरहाल, राजनीतिक दलों के कामकाज में लोगों की भागीदारी का स्तर काफ़ी ऊँचा है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- खुद को किसी राजनीतिक दल का सदस्य बताने वाले भारतीयों का अनुपात कनाडा, जापान, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देशों से भी ज़्यादा है।
- पिछले तीन दशकों के दौरान भारत में राजनीतिक दलों की सदस्यता का अनुपात धीरे-धीरे बढ़ता गया है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- खुद को किसी राजनीतिक दल का करीबी बताने वालों का अनुपात भी इस अवधि में बढ़ता गया है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- विश्व के संघीय व्यवस्था वाले लोकतंत्रों में दो तरह के राजनीतिक दल हैं :
  1. संघीय इकाइयों में से सिर्फ एक इकाई में अस्तित्व रखने वाले दल
  2. अनेक या संघ की सभी इकाइयों में अस्तित्व रखने वाले दल।
- भारत में भी यही स्थिति है। कई पार्टियाँ पूरे देश में फैली हुई हैं और उन्हें राष्ट्रीय पार्टी कहा जाता है। इन दलों की विभिन्न राज्यों में इकाइयाँ हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- ये सारी इकाइयाँ राष्ट्रीय स्तर पर तय होने वाली नीतियों, कार्यक्रमों और रणनीतियों को ही मानती हैं।
- देश की हर पार्टी को निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण कराना पड़ता है।
- आयोग सभी दलों को समान मानता है पर यह बड़े और स्थापित दलों को कुछ विशेष सुविधाएँ देता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



इन्हें अलग चुनाव चिह्न दिया जाता है जिसका प्रयोग पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार ही कर सकता है।

इस विशेषाधिकार और कुछ अन्य लाभ पाने वाली पार्टियों को 'मान्यता प्राप्त' दल कहते हैं।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट नियम बनाए हैं कि कोई दल कितने प्रतिशत वोट और सीट जीतकर 'मान्यता प्राप्त' दल बन सकता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- जब कोई पार्टी राज्य विधानसभा के चुनाव में पड़े कुल मतों का 6 फीसदी या उससे अधिक हासिल करती है और कम से कम दो सीटों पर जीत दर्ज करती है तो उसे अपने राज्य के राजनीतिक दल के रूप में मान्यता मिल जाती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



❖ राष्ट्रीय दल की मान्यता :- अगर कोई दल लोकसभा चुनाव में पड़े कुल वोट का अथवा चार राज्यों के विधान सभाई चुनाव में पड़े कुल वोटों का 6 प्रतिशत हासिल करता है और लोकसभा के चुनाव में कम से कम चार सीटों पर जीत दर्ज़ करता है तो उसे राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

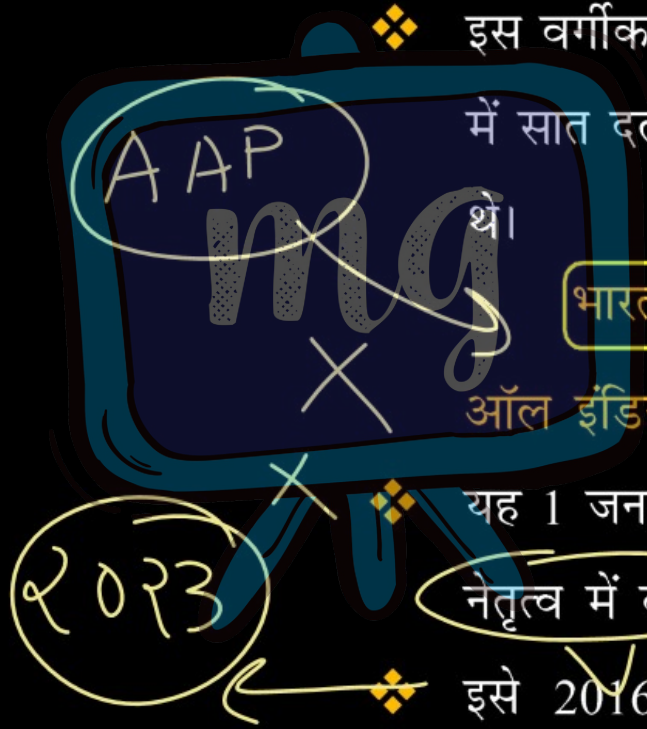


- इस वर्गीकरण के हिसाब से 2019 में देश में सात दल राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त थे।

**भारत के प्रमुख राष्ट्रीय दल**

**ऑल इंडिया तृणमूल काँग्रेस :**

- यह 1 जनवरी 1998 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में बनी।
- इसे 2016 में राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- 'पुष्प और तृण' पार्टी का प्रतीक है।



- विचारधारा – धर्मनिरपेक्षता और संघवाद के प्रति प्रतिबद्ध।
- 2011 से यह पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- 2019 में हुए आम चुनाव में इसे 4.07 फीसदी वोट मिले और 22 सीटों पर जीत हासिल हुई, जिससे लोकसभा में यह चौथी सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- बहुजन समाज पार्टी : स्व. कांशीराम के नेतृत्व में 1984 में गठन।
- विचारधारा – बहुजन समाज, जिसमें दलित, आदिवासी, पिछड़ी जातियाँ और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल हैं, के लिए राजनीतिक सत्ता पाने का प्रयास और उनका प्रतिनिधित्व करने का दावा।



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- दलितों और कमज़ोर वर्ग के लोगों के कल्याण और उनके हितों की रक्षा के मुद्दों पर सबसे ज़्यादा सक्रिय इस पार्टी का मुख्य आधार उत्तर प्रदेश में है, पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली और पंजाब में भी यह पार्टी पर्याप्त ताकतवर है।
- इस दल को 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 3.63 फीसदी वोट मिले, और 10 सीटें मिलीं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

❖ भारतीय जनता पार्टी : पुराने भारतीय जन संघ को, जिसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में गठित किया, पुनर्जीवित करके 1980 में यह पार्टी बनायी गयी।



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



❖ विचारधारा – भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्य, दीनदयाल उपाध्याय के विचार–समग्र मानवतावाद एवं अंत्योदय से प्रेरणा लेकर मज़बूत और आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य, भारतीय राष्ट्रवाद और राजनीति की इसकी अवधारणा में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद (या हिंदुत्व) एक प्रमुख तत्व है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- यह देश में रहने वाले सभी धर्म के लोगों के लिए समान नागरिक संहिता बनाने और धर्मांतरण पर रोक लगाने के पक्ष में है।
- 1990 के दशक में इसके समर्थन का आधार काफी व्यापक हुआ।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

- पहले देश के उत्तरी और पश्चिमी तथा शहरी इलाकों तक ही सिमटी रहने वाली इस पार्टी ने इस दशक में दक्षिण, पूर्व, पूर्वोत्तर तथा देश के ग्रामीण इलाकों में अपना आधार बढ़ाया।
- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के रूप में यह पार्टी 1998 में सत्ता में आई।

इस गठबंधन में कई क्षेत्रीय दल भी शामिल थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



- 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में 303 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी।
- अभी केंद्र में शासन करने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व यही दल कर रहा है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST



- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई):
  - 1925 में गठित।
  - विचारधारा - मार्क्सवाद-लेनिनवाद, धर्मनिरपेक्षता और ~~लोकतंत्र में आस्था~~ रखती है तथा अलगाववादी और सांप्रदायिक ताकतों का विरोध करती है।
  - यह पार्टी संसदीय लोकतंत्र को मज़दूर वर्ग, किसानों और गरीबों के हितों को आगे बढ़ाने का एक उपकरण मानती है।